an>

Title: Need to restore the plaque carrying a quote by Veer Vinayak Damodar Savarkar in Cellular Jail Premises of Andaman and Nicobar.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) ः विनायक दामोदर सावरकर भारतीय स्वतंतूता आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के सेनानी नेता थे। उन्हें प्रायः वीर सावरकर के नाम से सम्बोधित किया जाता है। विनायक दामोदर सावरकर न सिर्फ एक क्रांतिकारी थे बल्कि एक भाषाविद, बुद्धिजीवी, कवि, दृढ़ राजनेता, समर्पित समाज सुधारक, दार्शनिक, दृष्टा, महान कवि, महान इतिहासकार और ओजस्वी वक्ता भी थे। उनके इन्हीं गुणों ने उन्हें महानतम लोगों की श्रेणी में उच्च पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया। सावरकर दुनिया के अकेले स्वतंतूता सेनानी थे, जिन्हें दो-दो आजीवन कारावास की सजा मिली, सजा को पूरा किया और फिर से राष्ट्र जीवन में सक्रिय हो गए।

"देशभक्ति का यह व्रत हमने आंख मूंद कर नहीं लिया है। इतिहास की प्रखर ज्योति में हमने इस मार्ग की परख की है। दृढ़ प्रतिज्ञा होकर दिव्य अग्नि में जलने का निश्चय जानबूझकर किया है। इसका व्रत लिया है, आत्मविश्वास का। "- वीर सावरकर।

सन 2004 में तत्कालीन पैट्रोलियम मंत्री ने उपरोक्त पट्टिका जो कि अंडमान-निकोबार जेल में लगी हुई थी, उसे हटवा दिया था और पिछले दिनों वर्तमान सरकार के मंत्रिमंडल ने संसद के केंद्रीय कक्ष में वीर सावरकर के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते समय यह निर्णय लिया था कि उपरोक्त उद्धरण पट्टिका को फिर से लगाया जायेगा। अतः मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि उक्त पट्टिका को पुनः लगवाकर वीर सावरकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें।